Minor Course from the department for pool of the Courses in the University

(These courses are offered by each department for students of other departments/same department to gain a broader understanding beyond the major discipline)

Semester 1

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Total Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
MIC-1	हिंदी भाषा एवं व्यावहारिक व्याकरण	240/HIN /MI101	1	1		1	1		2	15	35			50

सेमेस्टर- **1**
MIC1-हिंदी भाषा एवं व्यवहारिक व्याकरण

अधिकतम अंक**:50**
लिखित परीक्षा**:35**
आंतरिक निर्धारण:15
Course ID- 240/HIN/MI101

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

- विद्यार्थियों को भाषा के नियमों से परिचित कराना
- हिंदी भाषा की व्याकरणिक नियमों की आधारभूत जानकारी देना
- भाषा की विविध ध्वनियों के उच्चारण के नियमों का समुचित ज्ञान कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम:

- विद्यार्थी व्याकरणिक संरचना का ज्ञान प्राप्त करेंगे
- मौखिक अभिव्यक्ति के मानक और मानक रूपों से परिचित होंगे
- हिंदी भाषा के स्वर में रूपों की समझ विकसित होगी

<u>पाठ्यक्रम:</u>

इकाई एक : **भाषा और व्याकरण**

- भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएं
- व्याकरण की परिभाषा और महत्व
- भाषा और व्याकरण का अंतः संबंध
- ध्वनि वर्णन एवं मात्राएं

इकाई दो : **शब्द परिचय**

- शब्दों के भेद : तत्सम ,तद्भव ,देशज और विदेशी
- शब्दों की व्याकरण कोटिया: संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण आदि (केवल परिभाषा एवं भेद)
- शब्दों का रूपांतरण
- शब्दगत अशुद्धियां

इकाई तीन : **पद विचार**

- विचार पद का स्वरूप
- शब्द और पद में अंतर
- विकारी शब्द से तात्पर्य और अविकारी शब्दों से तात्पर्य
- विकारी शब्दों की रूप रचना (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया)
- अविकारी शब्द (अवयव)

इकाई चार : वाक्य विचार

- वाक्य की परिभाषा और उसके अंग
- वाक्यगत अशुद्धियां

निर्देश:

1) इकाई क में से कुल 2 प्रश्न दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कोई एक प्रश्न करना होगा। यह प्रश्न 10 अंक का होगा। 10*1=10

2) इकाई ख में से कुल 2 प्रश्न दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कोई एक प्रश्न करना होगा। यह प्रश्न 10 अंक का होगा। 10*1=10

3 इकाई)ग में से कुल 2 प्रश्न दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कोई एक प्रश्न करना होगा। यह प्रश्न 10 अंक का होगा। 10*1=10

4)पाठ्यक्रम में से 5 अनिवार्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। सम्पूर्ण प्रश्न 5 अंको का होगा।

Minor Course from the department for pool of the Courses in the University

(These courses are offered by each department for students of other departments/same department to

gain a broader understanding beyond the major discipline)

Semester 2

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Total Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
MIC-2	राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी	240/HIN/MI202	1	1		1	1		2	15	35			50

सेमेस्टर- **2** अधिकतम अंक:**50**

MIC2-राजभाषा और राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी लिखित परीक्षा:**35**

आंतरिक निर्धारण:15

Course ID- 240/HIN/MI202

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

भाषा की समझ विकसित करना: छात्रों में राजभाषा की गहन समझ विकसित करना ताकि वे सरकारी और प्रशासनिक कार्यों में इसका प्रभावी उपयोग कर सकें।

भाषाई दक्षता: विद्यार्थियों को राजभाषा में लिखने, पढ़ने, बोलने और सुनने की दक्षता प्रदान करना।

सांस्कृतिक जागरूकता: राजभाषा के माध्यम से सांस्कृतिक धरोहर और परंपराओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना।

इकाई 1

- राजभाषा एवम राष्ट्रभाषा से तात्पर्य
- राष्ट्रभाषा का महत्त्व, परिभाषा, एवम स्वरूप
- राजभाषा का महत्त्व, परिभाषा, एवम स्वरूप
- राजभाषा और राष्ट्रभाषा में अंतर

इकाई 2

- राजभाषा के रूप मे हिंदी
- राजभाषा के रूप मे हिंदी का विकास
- राजभाषा का वर्गीकरण
- राजभाषा के रूप मे हिंदी की संवैधानिक स्थिति
- राजभाषा अनुच्छेद

इकाई 3

- राष्ट्रभाषा के रूप मे हिंदी
- राष्ट्रभाषा के रूप मे हिंदी का विकास
- राष्ट्रभाषा का वर्गीकरण
- राष्ट्रभाषा के रूप मे हिंदी की संवैधानिक स्थिति
- राष्ट्रभाषा अनुच्छेद
- राजभाषा एवम राष्ट्रभाषा के सहयोग में हिंदी की प्रमुख संस्थाएं

राजभाषा पर संदर्भ पुस्तकें:

"राजभाषा हिंदी और उसका स्वरूप" - डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

"भारतीय संविधान में हिंदी" - डॉ. रघुवीर सहाय

"हिंदी राजभाषा: समस्याएं और समाधान" - डॉ. वासुदेव नन्दन प्रसाद

"हिंदी का संवैधानिक विकास" - डॉ. किशोरी लाल शर्मा

"राजभाषा हिंदी: सिद्धांत और व्यवहार" - डॉ. हरिशंकर मिश्र

राष्ट्रभाषा पर संदर्भ पुस्तकें:

"राष्ट्रभाषा हिंदी: स्वरूप और विकास" - डॉ. नामवर सिंह

"हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास" - डॉ. गणेश प्रसाद द्विवेदी

"हिंदी साहित्य का आधुनिक काल" - डॉ. रामविलास शर्मा

"राष्ट्रभाषा हिंदी का विकास" - डॉ. हरिवंशराय बच्चन

"हिंदी की राष्ट्रभाषा की भूमिका" - डॉ. धर्मवीर भारती

प्रश्न पत्र निर्माण संबंधी निर्देश:

1)खंड क में से कुल 2 प्रश्न दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कोई एक प्रश्न करना होगा। यह प्रश्न 10 अंक का होगा। 10*1=10

2) खंड ख में से कुल 2 प्रश्न दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कोई एक प्रश्न करना होगा। यह प्रश्न 10 अंक का होगा। 10*1=10

3)खंड ग में से कुल 2 प्रश्न दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कोई एक प्रश्न करना होगा। यह प्रश्न 10 अंक का होगा। 10*1=10

4) पाठ्यक्रम में से 5 अनिवार्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। सम्पूर्ण प्रश्न 5 अंको का होगा।

Minor Course from the department for pool of the Courses in the University

(These courses are offered by each department for students of other departments/same department to gain a broader understanding beyond the major discipline)

Semester 3

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Total Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
MIC-3	व्यवसायिक संप्रेषण और हिंदी भाषा	240/HIN /M303	3	1		3	1		4	30	70			100

सेमेस्टर **3** अधिकतम अंक**:100**

MIC3-व्यावसायिक संप्रेषण और हिंदी भाषा लिखित परीक्षा**:70**

आंतरिक निर्धारण:30

Course ID-240/HIN/M303

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

भाषिक संप्रेषण के स्वरूप एवम सिद्धांतो से विद्यार्थियों का परिचय।

विभिन्न माध्यमों की जानकारी ।

प्रभावी संप्रेषण का महत्त्व।

रोजगार संबंधी क्षेत्रो के लिए तैयार करना।

पाठ्यक्रम परिणाम:

1 स्नातक स्तर के छात्रों को भाषीय संप्रेषण की समझ और संभाषण से संबंधित अनेक पहलुओं से अवगत कराया जाएगा।

2 भाषीय संप्रेषण और संभाषण के अनेकों आयाम, उसके महत्त्व, प्रयोग विस्तार , शैली, भाषीय संस्कृति की समझ विकसित होगी।

3 भाषा के शुद्ध उच्चारण, सामान्य लेखन, रचनात्मक लेखन और तकनीकी शब्दों से अवगत हो सकेंगे।

<u>पाठ्यक्रम:</u>

खंड : क - भाषिक संप्रेषण :स्वरूप और प्रक्रिया

1: संप्रेषण की अवधारणा

2: संप्रेषण की प्रक्रिया

3: संप्रेषण के विभिन्न मॉडल

खंड: ख- व्यवसायिक संप्रेषण एवम प्रेजेंटेशन

1: व्यवसायिक संप्रेषण का महत्त्व

2: व्यवसायिक संप्रेषण की विशेषता

3: प्रेजेंटेशन अथवा विशेषता

4: व्यवसायिक भाषा एवम संप्रेषण मे तकनीकी का महत्त्व (ई-मेल, टेक्स्ट मैसेज , वीडियो कांफ्रेंसिंग, सोशल नेटवर्किंग, ई - कम्युनिकेशन)

खंड: ग - व्यवसायिक लेखन: विविध रूप1:व्यवसायिक पत्र लेखन 2:रिपोर्ट लेखन और ज्ञापन 3: नोटिस, मिनट्स, एजेंडा 4:नौकरी के लिए पत्र लेखन

संदर्भ पुस्तकें:

हिंदी का सामाजिक संदर्भ: रविंद्रनाथ श्री वास्तव

संप्रेषण परक व्याकरण : सिद्धांत और स्वरूप: सुरेश कुमार

प्रयोग और प्रयोग: वी. आर. जगन्नाथ

#भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका - विद्यानिवास मिश्र

भाषीय अस्मिता और हिंदी :रविंद्रनाथ श्री वास्तव

प्रश्न पत्र निर्माण संबंधी निर्देश:

- पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ अंक निश्चित है। पूरी इकाई-1 32 अंकों की होगी।
- पूरे पाठ्यक्रम में 10 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में से किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरी इकाई -2 30 अंकों की होगी।

- पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक- एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा|

Minor Course from the department for pool of the Courses in the University

(These courses are offered by each department for students of other departments/same department to gain a broader understanding beyond the major discipline)

Semester 4

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Total Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
MIC-4	हिंदी के प्रमुख संस्थाएं एवं पत्र पत्रिकाएं	240/HIN/MI404	3	1		3	1		4	30	70			100

सेमेस्टर **4** अधिकतम अंक**:100**

MIC4-हिंदी की प्रमुख संस्थाएं एवं पत्र पत्रिकाएं लिखित परीक्षा**:70**

आंतरिक निर्धारण:30

Course ID-240/HIN/M404

पाठ्यक्रम उद्देश्य**:**

1. **पत्रकारिता की मूल अवधारणाओं को समझाना**
2. **छात्रों को समाचार लेखन**, **संपादकीय लेखन**, **और फीचर लेखन की तकनीकों में प्रशिक्षित करना।**
3. **छात्रों को पत्रकारिता नैतिकता**, **प्रेस कानून**, **और मीडिया के सामाजिक उत्तरदायित्वों के बारे में शिक्षित करना।**

पाठ्यक्रम परिणाम**:**

1. **समाचार और लेखन की समझ**: **छात्र समाचार**, **फीचर**, **और संपादकीय लेखन की तकनीक में कुशल हो जाएंगें।**
2. **मीडिया नैतिकता और कानून की जानकारी**: **छात्र पत्रकारिता नैतिकता और प्रेस कानूनों की महत्वपूर्ण समझ विकसित करेंगे।**
3. **मल्टीमीडिया दक्षता**: **छात्र प्रिंट**, **इलेक्ट्रॉनिक**, **और डिजिटल मीडिया में कार्य करने की क्षमता हासिल करेंगे।**

<u>पाठ्यक्रम</u>:

इकाई **1–**

- हिंदी की प्रमुख पत्र पत्रिकाओं का परिचय
- हिंदी की प्रमुख संस्थाओं का योगदान
- शिक्षा के क्षेत्र में पत्र पत्रिकाओं का महत्व
- साहित्य में योगदान

इकाई **2 –**

- हिंदी की प्रमुख पत्र पत्रिकाए
- भारतेंदु युग की प्रमुख पत्र पत्रिकाएं
- द्विवेदी युग
- छायावादी युग
- छायावादोत्तर काल

इकाई **3 –**

- हिंदी की संस्कृति के प्रचार प्रसार में योगदान देने वाली प्रमुख संस्थाएं
- नागरी प्रचारिणी सभा बनारस
- हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग

निर्देश:

- पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ अंक निश्चित है। पूरी इकाई-1 32 अंकों की होगी।
- पूरे पाठ्यक्रम में 10 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में से किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरी इकाई -2 30 अंकों की होगी।
- पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक- एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।